Question:1 compulsury. Each question carries 03 (Three Marks)

प्रश्न: Name- Pradeep Srivastava
Test-P-2 (Unit (1-10)) Date-23/02/22
Mo- 7987647887

उत्तर :

प्रश्न:

उत्तर : (1) 21 प्रकार के दिव्यांग जन अधिनियम 2016 के तहत।

प्रश्न:

उत्तर : (11) (1) 2020 में आरंभ उत्कर्ष आंगनवाड़ी केन्द्रों में रियलटाइम निगरानी हेतु तथा डाटा कलेक्ट

प्रश्न:

उत्तर : (14) (NMC) के स्थान पर राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग गठित हुआ चिकित्सा हेतु प्रश्न परामर्श निकाय

प्रश्न:

उत्तर : (17) दृष्टिबाधित, श्रवणबाधित, अस्थिबाधित मानसिक दुर्बल, ऑटिज्म पीड़ित, पार्किंसन पीड़ित

(5) सहअस्तित्व, संभावनाओं की समानुभूति, बंधुत्व, बहुसंस्कृतीवाद

(6) पारिवारिक मामलों के निपटान हेतु 1984 अधिनियम द्वारा स्थापित प्रथम श्रेणी दण्डन्यायालय

(7) सेंपल रजिस्ट्रेशन प्रणाली का तंत्र रजिस्ट्रार जनरल द्वारा विभाग जनसांख्यिकी, स्वास्थ्य आंकड़े जुटाता है

(8) (i) जिले का प्रमुख अस्पताल (1 लाख से अधिक जन)
(ii) प्रमुख रेफरल बिन्दु (जा) हर विशेषज्ञ डाक्टर

(9) (i) 2015 से आरंभ (कम लिंगानुपात राज्यों में बेटी के जन्म को प्रोत्साहन तथा सशक्त।)

(10) [redacted] वह तंत्र जो उच्च तकनीकी, व्यावसायिक अकादमीक शिक्षा की व्यवस्था करता

(11) भिन्न धर्म, नस्ल, जाति, संस्कृति के लोगों का एकीकरण, व मिलकर रहने से बनी।

(12) अंतःजातिय विवाह दंपत्ति को विवाह हेतु खाप पंचायतों द्वारा मार दिया जाना।

(13) दंपत्ति की बच्चों की संख्या, उनके जन्म अंतर की अनुमान लगाने की क्षमता।

(14) एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक ज्ञान, कला, परंपरा, रीति-रिवाज, का विकास पुरीवार? प्रेयिंग विकास

(15) जीवन के शुद्धिकरण की प्रक्रिया इनकी संख्या 16 [गर्भाधान, मुण्डन, विवाह आदि]

प्रश्न: (2.2)

PART-B

उत्तर :

(1) मध्यप्रदेश में निम्न संभावनाएँ।
(i) उपयुक्त कृषि प्रदेश व (ii) जलवायु क्षेत्र।
(ii) पर्याप्त कृषि क्षेत्र मानव संसाधन (72.04)%
(iii) बेतवा-छिंदवाड़ा तहसील पृष्ठ (लायन्ड की)।
(iv) उपयुक्त भौगोलिक दशाएँ मौजूद।
(v) सरकारी प्रोत्साहन दिया जा रहा है
(मुख्यमंत्री कृषक-कृषि प्रसंस्करण योजना 2013)
(vi) निरन्तर बढ़ता क्षेत्र [2012-18] [12.06-34.16]
लाख हेक्टेयर जैविक क्षेत्र बढ़ा।

प्रश्न: (2.2)

उत्तर :

(2) बेरोजगारी के निम्न प्रकार मौजूद
(i) अल्पकालिक → कुछ दिनों के लिए बेरोजगार
(a) मौसमी बेरोजगारी (b) गुप्त बेरोजगारी
(ii) प्रतिबंधित बेरोजगारी → बाजार मांगानुसार
कुशलता अभाव
(iii) संरचनात्मक बेरोजगारी → अर्थव्यवस्था
के स्थिति से उत्पन्न उच्च वृद्धि आधार
रोजगार तथा मंदी बेरोजगार।
(iv) प्रच्छन्न → कृषि क्षेत्र में विषमता

(2) (i) प्रच्छन्न → कृषि क्षेत्र मे विद्यमान (72.5%) → लोग प्रभावित

(ii) संरचनात्मक → तकनीकी कुशलता बाजार मांगानुसार न होना।

(iii) चक्रीय → अर्थव्यवस्था स्थिति नुसार बेरोजगार स्थिति (जब. मंदी बेरोजगारी बढ़ी)।

(iv) अल्पकालिक → ग्रामीण कृषि मजदूरों मे विद्यमान (मौसमी बेरोजगारी)

(v) ऐच्छिक → स्वयं द्वारा कार्य न करना।।

(2.2)

उत्तर :

(3) बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के एक भाग के रूप मे आरंभ।

(i) बेटी के जन्म पर (100 – 1500) रुपये डिपोजिट खाता सुविधा।

(ii) 16 वर्ष की आयु पर बालिका संचालित कर पायेगी

(iii) 18 वर्ष मे 50% राशि प्राप्ति संभव

(iv) 21 वर्ष मे खाता परिपक्व होगा। जिस पर सरकार ब्याज व टैक्स छूट देगी।

(4)

(i) स्वास्थ्य व्यय बढ़ाए (जी.डी.पी का 3% GDP)

(ii) स्वास्थ्य ढांचा निर्माण पर जोर।

(iii) मेडिकल कॉलेज व सीटों की संख्या बढ़ाए

(iv) ई-गवर्नेंस, टेलीमेडिसिन को बढ़ावा।

(v) प्राथमिक स्वास्थ्य पर बेड, डॉक्टर व नर्स पूर्ण आपूर्ति हो।

(vi) बीमा कवर बढ़ाए (वर्तमान 40% पास)

(vii) पैरामेडिकल प्रशिक्षण व स्थायी नियुक्ति

(viii) आयुष, जन औषधि आदि को प्रोत्साहन।

श्न: (2.2)

उत्तर :

(5) (i) PM आवास योजना → ST समुदायों को आवास वितरण।

(ii) अम्बेडकर छात्रावास योजना → ST छात्राओं/छात्रों को निःशुल्क छात्रावास

(iii) एकलव्य विद्यालय → आदिवासी क्षेत्रों में विद्यालय पहुंच बढ़ाना

(iv) स्टैंड-अप इंडिया → SC/ST महिलाओं को ऋण सहायता।

(vi) कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय - 2007

(vi) विद्यालय छात्रवृत्ति व केन्द्रीय योजना।

(6) चिकित्सा कार्य हेतु कौशल प्रदाती शिक्षा चिकित्सा शिक्षा कहलाती है।
उदाहरण नर्सिंग (B.Sc नर्सिंग), MBBS BDS आदि।
उद्देश्य → (i) स्वास्थ्य क्षेत्र मे मानव संसाधन विकास (ii) स्वास्थ्य संबंधि तकनीकी कौशल विकास (iii) रोजगार क्षमता विकास (iv) स्वास्थ्य क्षेत्र विकास।
भारत मे NEET परीक्षा, (MBBS) (NEXT) परीक्षा इसी से संबंधित

श्न: (2.2)

उत्तर :

(7) वह व्यक्ति जो किसी क्षेत्र विशेष मे पर्याप्त कुशलता व तकनीकी संबंधि ज्ञान रखे वह कुशल मानव शक्ति है।
(i) रोजगारोन्मुखी कुशलता हो।
(ii) बाजार मांगानुसार तकनीकी ज्ञान।
(iii) PM कौशल अभियान, (ITI), (IIT) इसी क्षेत्र मे प्रमुख प्रयास।
(iv) जनसंख्या लाभांश स्थिति उत्पन्न होगा

(8) यह एक विवाह प्रणाली जो मुस्लिम समाज मे उपस्थित है
(i) इसमे निश्चित अवधि के संविदा पर विवाह होता है
(ii) पत्नी संपत्ति अधिकार प्राप्त नही करती है
(iii) इसमे तलाक की व्यवस्था नही है।
(iv) यह एक अस्थायी विवाह है
(v) केवल शिया मुस्लिम मे प्रचलित।

2.2)

उत्तर :

(9) (i) जन्मदर → प्रति (1000) व्यक्तियो पर जन्म लेने वालो की संख्या।
(ii) मृत्युदर → प्रति (1000) पर व्यक्तियो के मरने वालो की संख्या।
(iii) मातृ मृत्युदर → प्रति (लाख) पर प्रसव दौरान माताओ की मृत्यु।
(iv) शिशु मृत्युदर → प्रति (1 हजार) पर जन्म के दौरान (नवजात) जीवित शिशु की मृत्यु।
(v) कुपोषण → एनीमिया, नाइट ब्लाइंड, स्टंटिंग, वेस्टींग, अंडरन्यूट्रीशन।

(c)—

(i) अतिसार → बैक्टीरिया (जुम्बीकारटीप
कृमी से उत्पन्न (हिलिसिन नष्ट हो जाता है)
(दस्त, पानी की कमी → लक्षण)

(ii) कार्लेरिया → विपुलतया पत्थर करते से
लक्षण (हड्डियों में दर्द) → हाथी पाँव कहते हैं

(iii) एस्केरीपिरोसिस → पाचन तंत्र प्रभावित
होता है (उल्टी - दुर्बलापन)

(iv) टायनेसियसिस → आंत प्रभावित (खुजन लगना
वजन में कमी)

(A)

जनगणना 2011 के अनुसार मध्यप्रदेश की जनसंख्या 7 करोड़ 26 लाख लगभग रही है।
जिसमे निम्न तत्व परिलक्षित होते हैं।

(i) अधिक जनसंख्या जिले – इन्दौर, भोपाल, रीवा, सागर, जबलपुर

(ii) कम जनसंख्या जिले – निवाड़ी, हरदा, आगर मालवा, व श्योपुर आदि।

(iii) क्षेत्रवार वितरण – (i) ग्रामीण – 72.37%
(ii) शहरी [27.63%]।

(iv) SC समुदाय (15.6%) St (21.1%)।

(v) साक्षरता (69.14%)

इसके निम्न प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़े

(1) अर्थव्यवस्था का कृषि प्रधान होना
GDP [34.15%] मानव भागीदारी (72.14)% जिससे कृषि क्षेत्र पर भार बना कृषि जोतें ये कमी (60%) अधिक सीमान्त कृषक

(ii) कृषि क्षेत्र में प्रच्छन्न बेरोजगारी समस्या उत्पन्न हुई।

(iii) बढ़ती जनसंख्या से रोजगार आपूर्ति चुनौती।

(iv) दोषिपूर्ण आत्मयोजना में बदौलत पश्चिमी-पूर्वी पाकिस्तान में।

(vi) बेरोजगारी का बड़ा कारण कुशल मानव संसाधन का अभाव (साक्षरता 16.4%) (73% साक्षर दीप)

(vii) जनजाति बहुलता से भूमि अधिग्रहण मुश्किल हुआ जिससे अवसंरचना पिछड़ापन।

(viii) पहाड़ी क्षेत्र में उद्यमशीलता औद्योगीकरण अभाव रहा।

(viii) कृषि, लघु उद्योग, बाजार लिंक अभाव।

अतः → (i) कौशल विकास प्रोत्साहन

(ii) कृषि का व्यवसायीकरण करें।

(iii) कृषि वैकल्पिक रोजगार → स्वाध प्रशिक्षण एवं प्रयासों से जनसंख्या परिवर्तन चुनौती को लाभ बदलने का उपाय करें।

(७)

नई शिक्षा नीति 2020 को के कस्तूरीरंगन समिति सिफारिश पर तैयार किया गया। तथा मार्च 2021 से लागू किया गया है।

विशेषताएं निम्न है।

(a) प्रारंभिक स्तर - (1) शिक्षा व्यवस्था (10+2) के स्थान पर (5+3+3+4) होगी।

(i) प्रारंभिक शिक्षा पाठ्यक्रम।

(ii) कक्षा 8 से स्कील डेवलपमेन्ट

(iii) 'परख' कार्यक्रम के तहत कक्षा 8 तक निगरानी रखेगा।

(iv) (10+2) बाद एक विषय चयन के स्थान पर वलन्टर (बहुविषय) चयन।

(v) शिक्षा चयन (G.I) लागू किया जायेगा।

(2) उच्चशिक्षा → (i) 2035 तक GER
50% करने का लक्ष्य।
(ii) बहुस्तर आधारित विश्वविद्यालयों
की स्थापना।
(iii) विदेशी संस्थाओं के प्रवेश अनुमति

शोध → (i) विद्यालयपूर्व शिक्षा को
संस्थागत आधार प्रदान किया
(ii) कौशल विकास को केन्द्र में रखा।
(iii) मातृभाषा शिक्षा सीखने में सहायक।
(iv) बहुविषयक चयन स्वतंत्रता बहु प्रतिभा
संयोजन निर्माण।
(v) [illegible] APP बनाकर शिक्षा पहुंच बढ़ाएगा।
(vi) बहुस्तर विश्वविद्यालयों में बहुविषयक
आधारित अनुसंधान गतिविधि होगी।
(vii) विदेशी संस्थान नई तकनीक लेकर आएंगे।
चुनौतियां → (i) भाषायी विरोध हुआ है
(ii) विदेशी आगमन शिक्षा महंगी कर सकता है
(iii) सांस्कृतिकरण के आरोप आदि।
अतः नई शिक्षा नीति ने वर्तमान
परिस्थितिनुसार व्यवस्था को बदला यह
सराहनीय कदम है।

(3)

वह शिक्षा जो विद्यालय छोड़ चुके विद्यार्थी को अनाऔपचारिक तरह से प्राप्त प्रकार शिक्षा कहलाती है।
यह ग्रामीणवासी अनवरत उपचित को प्रदान की जाती है जिसमें महिला, युवा, बुजुर्ग आदि शामिल होते हैं।

आवश्यकता के कारण :

(1) भारत उच्च ड्रापआउट अनुपात प्रारंभिक शिक्षा [97%] GER तथा माध्यमिक [56%] GER]।
(ii) लैंगिक भेदभाव महिला ड्रापआउट अधिक
(iii) ग्रामीण क्षेत्र में बढ़ती बेरोजगारी
(iv) ग्रामीण व जनजाति क्षेत्रों में रूढ़िवादिता व अंधविश्वास आदि।

प्रचार शिक्षा लाभ

(i) शिक्षा का प्रसार बढ़ता है
(ii) व्यक्ति अपनी क्षमता को बढ़ा पाता है
(iii) मानव संसाधन विकास जिससे रोजगार प्राप्ति में सहायक
(iv) वैज्ञानिक, तार्किक दृष्टिकोण का विकास जिससे रूढ़िवादिता कट्टरवाद समाप्त।
(vii) शिक्षित युवा को स्वरोजगार हेतु सक्षम बनाता है अब वह बैंकिंग, रोजगार लाभ ले पाता है।

चुनौतियां – (i) ग्रामीण वैज्ञानिकरण का अभाव।
(ii) जागरूकता की कमी।
(iii) उपयुक्त मानव संसाधन अभाव
(iv) दुर्गम पहाड़ी, ग्रामीण, पंडुर कमी।
(v) मिशन का अभाव आदि।

देश की अशिक्षा, आकुशलता, रूढ़िवादिता व ग्रामीण गरीबी में प्रचार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

Nema Books -9200333367

(4)

वह शिक्षा जो चिकित्सा क्षेत्र के लिए उचित कौशल प्रदान करे चिकित्सा शिक्षा कहलाती है

भारत में निम्न चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र विद्यमान।

(I) MBBS [बैचलर ऑफ मेडिसिन एण्ड सर्जरी]

(II) BAMS [बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक एण्ड सर्जरी]

(III) BUMS [बैचलर ऑफ यूनानी एण्ड सर्जरी]

NEET → [College → MBBS / BAMS] → [NEXT] → प्रैक्टिस अनुमति

(IV) MD [मास्टर इन मेडिसिन]

(VI) B.Sc नर्सिंग → पैरामेडिकल स्टाफ प्रशिक्षण

शिक्षा संस्थान → (1) सार्वजनिक
(AIIMS), नीति संस्थान

~~विद्यालय~~ विद्यालय।

नियामक :- राष्ट्रीय चिकित्सा शिक्षा आयोग।

आवश्यकता के कारण :-

(i) डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाना (1:1456) WHO (1:1000) है।
(ii) पैरामेडिकल स्टाफ आपूर्ति (1000/0.2) WHO 1000/2.5
(iii) स्वास्थ्य सुविधा का विस्तार कर गुणवत्ता सुधारना।
(iv) ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधा विस्तार
(v) रोजगार का सृजन।

(SDG3) प्राप्ति हेतु स्वास्थ्य अवसंरचना के साथ पर्याप्त संख्या में उपलब्धता अतिआवश्यक है। चिकित्सा शिक्षा उसकी पूर्ति करती है।

(5)

प्री. पी. काणे अनुसार पुरुषार्थ उच्च सांसारिक जीवन का द्योतक है जिससे प्राणी सुख-दुख भोगते हुए सत्कर्म-धर्म-पालन कर ईश्वर प्राप्ति प्रयास करता है।

अर्थ

↑

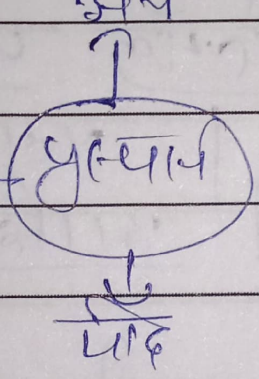

काम ← (पुरुषार्थ) → धर्म

↓

मोक्ष

(1) धर्म → डॉ. कपाड़िया अनुसार यह व्यक्ति के पारलौकिक-दैविक हित की कड़ी है, परन्तु प्रो. दुबे अनुसार यह सामाजिक नैतिक संहिता है।

(2) अर्थ → डॉ. कपाड़िया अनुसार भौतिक वस्तुओं का संग्रह है जिससे सभी भौतिक सुख शामिल।

Nema Books -9200333367

(ii) काम → (i) सरल अर्थ में
काम सुख भोगी।
(ii) विस्तृत अर्थ में प्रत्येक मानवीय
आकांक्षा जो इन्द्रीय सुख प्रदान करे
उदाहरण चित्रकला, नृत्य, आदि।

(v) मोक्ष → श्री दुबे अनुसार व्यक्ति द्वारा
अपने आत्मिक जीवन को
प्रज्वलित करना। पर डा कपाड़िया
अनुसार व्यक्ति की आत्मिक अनुभूति है।

महत्व → (i) जीवन के नैतिक
संहिता का निर्माण।
(ii) सामाजिक व्यवस्था बनाए रखना।
(iii) जीवन में भोग व संयम संतुलन।
(iv) अपराध, स्वार्थ, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण।
(v) जीवन की अंतिम लक्ष्य प्राप्ति सरल
बनाता है।
(vi) समाज व मानव में उत्कृष्ट संबंध स्थापना
इस तरह पुरुषार्थ भारतीय संस्कृति के
महत्वपूर्ण कारण है।